भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या 1954

सोमवार, 7 अगस्त, 2023 (श्रावण 16, 1945 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

पायलट प्रशिक्षण स्कूल

1954. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पायलट प्रशिक्षण स्कूलों की कमी है;

(ख) यदि हां, तो इसे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या नए पायलट प्रशिक्षण स्कूल खोलने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो हरियाणा सहित देश में इन स्कूलों को कहां कहां खोला जा रहा है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क): वर्तमान में, देश में 57 स्थानों पर 36 उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) प्रचालनिक हैं, जो कैडेटों को उड़ान प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। वर्ष 2022 में, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उद्योग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिकॉर्ड 1165 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) जारी किए थे।

(ख) से (घ): पायलट प्रशिक्षण विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं: –

(i) वर्ष 2020 में, नागर विमानन मंत्रालय ने उदारीकृत एफटीओ दिशानिर्देशों को मंजूरी दी, जिसमें हवाईअड्डे की रॉयल्टी (एफटीओ द्वारा भाविप्रा को राजस्व शेयर भुगतान) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है तथा भूमि किराये का अत्यधिक युक्तिकरण किया है।

(ii) वर्ष 2021 में, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के पश्चात, भाविप्रा ने बेलगावी (कर्नाटक), जलगांव (महाराष्ट्र), कलबुर्गी (कर्नाटक), खजुराहो (मध्य प्रदेश) एवं लीलाबाड़ी (असम) में पांच हवाईअड्डों पर नौ एफटीओ स्लॉट अवार्ड किए थे। वर्तमान में, इनमें से छह एफटीओ स्लॉट प्रचालनिक हैं: जलगांव, लीलाबाड़ी, खजुराहो, बेलगावी में एक-एक स्लॉट तथा कलबुर्गी में दो स्लॉट।

(iii) जून 2022 में, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के पश्चात, भाविप्रा द्वारा पांच हवाईअड्डों, नामतः भावनगर (गुजरात), हुबली (कर्नाटक), कडप्पा (आंध्र प्रदेश), किशनगढ़ (राजस्थान) एवं सेलम (तमिलनाडु), पर छह और एफटीओ स्लॉट अवार्ड किए गए थे। वर्तमान में, सेलम (तमिलनाडु) में एक एफटीओ स्लॉट प्रचालनिक है।

(iv) डीजीसीए ने एफटीओ में उड़ान प्रशिक्षक को उड़ान प्रचालन प्राधिकृत करने का अधिकार प्रदान करने के लिए अपने नियमों में संशोधन किया है। इससे प्रत्येक एफटीओ पर उड़ान के घंटे एवं विमान उपयोगिता बढ़ाने में मदद मिलेगी तथा सीपीएल अपेक्षाओं को शीघ्र पूरा किया जा सकेगा।

****